Sem-1 (MJC)

Q William Morris Davis का अपरदन चक्र (Normal Cycle of Erosion)

* परिचय :-

अमेरिकी भूगोलवेत्ता विलियम मॉरिस डेविस ने स्थलाकृतियों के विकास को समझाने के लिए अपरदन चक्र का सिद्धांत दिया। इसे Normal Cycle इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सामान्य आर्द्र जलवायु में नदियों द्वारा किए गए अपरदन पर आधारित है।

* मूल धारणा :-

→ डेविस के अनुसार किसी भू-भाग का विकास तीन मुख्य अवस्थाओं में होता है — युवावस्था (Youth), प्रौढ़ावस्था (Maturity), वृद्धावस्था (Old age).

→ यह विकास उत्थान → अपरदन → समतलीकरण के क्रम में होता है।

(1) युवावस्था (Youth Stage) :-

* मुख्य विशेषताएँ :-

→ भूमि का ढाल ही में उत्थान हुआ होता है। नदियाँ तीव्र ढाल पर बहती हैं।

→ गहरी, संकरी V- आकार की घाटियाँ बनती हैं।

→ जलप्रपात और तीव्र वेग अधिक होता है। पार्श्व अपरदन कम, लंबवत अपरदन अधिक।

उदाहरण :- पर्वतीय क्षेत्रों की घाटियाँ।

vivo Y02
Feb 22, 2026, 12:17

(2.) प्रौढ़ावस्था (Maturity Stage) :-

* मुख्य विशेषताएँ :-

→ ढाल कम हो जाती है, नदियाँ घुमावदार हो जाती है ;। घाटियाँ चौड़ी होने लगती है। पार्श्व अपरदन बढ़ा है। जलप्रपात समाप्त होने लगते है। यह अवस्था संतुलित और विकसित स्थलाकृति को दर्शाती है।

(3.) वृद्धावस्था (Old Age Stage) :-

* मुख्य विशेषताएँ :-

→ भूमि लगभग समतल हो जाती है। बहुत चौड़ी घाटियाँ और बाढ़ मैदान बनते है। ढाल बहुत कम होती है। अंत में पेनीप्लेन का निर्माण होता है।

* पेनीप्लेन = लगभग समतल भूमि, जो दीर्घकालीन अपरदन का परिणाम है।

→ डेविस सिद्धांत के मुख्य बिंदु।

→ यह सिद्धांत समय आधारित है।

→ जलवायु स्थिर मानी गई है। उत्थान एक बार में माना गया है। अपरदन निरंतर चलता रहता है।

* आलोचना :-

→ वास्तविकता में उत्थान और अपरदन साथ - साथ होते है।

→ जलवायु हमेशा स्थिर नहीं रहती।

→ सभी स्थलरूप एक निश्चित क्रम का पालन नहीं करते।

vivo Y02
Feb 22, 2026, 12:18

→ बाद में अन्य विद्वानों जैसे Walther Penk ने इस सिद्धांत की आलोचना की।

* निष्कर्ष :

→ डेविस का अपरदन चक्र भू - आकृति विज्ञान का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है, जिसने स्थलाकृतियों के विकास को समझने की नींव रखी। हालांकि आधुनिक भू - आकृति विज्ञान में इसे पूर्ण सत्य नहीं माना जाता, फिर भी शैक्षिक दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

vivo Y02
Feb 22, 2026, 12:18